सत्र 2023–24 त्रयोदश संस्करण (जुलाई–दिसम्बर)

माधव सन्देश

केशव नगर, मोदीनगर रोड़, हापुड़–245101 (उत्तर प्रदेश)

उच्च शिक्षा समग्र चिन्तन

आदर्श नागरिक निर्माण में शिक्षा भारती के बढ़ते कदम

महाविद्यालय परिचय

श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी का मुख्य भवन शिक्षा भारती के 20 एकड़ के परिसर में केशव नगर, मोदीनगर मार्ग, हापुड में स्थित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आसानी से पहुंचा जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में अपना महाविद्यालय विशिष्ट प्रकार का संस्थान है, जो विभिन्न कोशलों में छात्रों को पारंगत करने के साथ छात्रों को रोजगार के अवसर भी सुलभ कराता है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबंध तथा एन.सी.टी.ई. दिल्ली से मान्यता प्राप्त शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम में 200 सीटों तथा बी. ए. में 120, बी. कॉम. में 60, बी. एस. में 120 सीटों पर प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। विद्यार्थियों को खेलकूद तथा साहित्य एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ नैतिक शिक्षा, आध्यात्मिक शिक्षा, योग, संस्कृत, संगीत, व्यवसायिक शिक्षा के माध्यम से उनका का सर्वांगीण विकास किया जाता है।

"सिर्फ किताबी ज्ञान ही शिक्षा नहीं होती अपितु हमारा मानसिक विकास भी सफलता के लिए आवश्यक है। सिर्फ कल्पना करने से हमें सफलता नहीं मिल सकती उन सफलताओं को पूरा करने के लिए हमें कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। "

महाविद्यालय अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में उच्च मानवीय मूल्यों की स्थापना करने तथा सामाजिक गतिशीलता और विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है, परिणाम स्वरूप आज महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के उच्च स्तरीय महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जाता है। महाविद्यालय को इस स्तर तक पहुंचाने में हमारे अनुभवी प्राचार्य एवं योग्य शिक्षकों का योगदान विशेष रूप से सराहनीय है। मैं सभी को इसके लिए धन्यवाद देता हूं। भविष्य में भी कलात्मक एवं शैक्षिक संवर्धन के साथ वैज्ञानिक प्रणाली से उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए अपने प्रयत्नों और प्रयासों से महाविद्यालय प्रगति पथ पर सदैव अग्रसर होता रहेगा।

– ओम प्रकाश गोयल, अध्यक्ष

"शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को सीखना नहीं होता है बल्कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मस्तिष्क को प्रशिक्षित करना होता है।"

सर्व विदित है कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्र की महत्वकांक्षा रहती है कि वह शिक्षण के क्षेत्र में जाये, क्या शिक्षण के क्षेत्र में जाने का उद्देश्य मात्र जीविका उपार्जन ही है? अथवा शिक्षण के माध्यम से समाज रचना भी है? मेरा विचार है कि शिक्षक को जीविकोपार्जन के उद्देश्य को द्वितीय मानकर समाज रचना को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिक्षक मात्र परीक्षा पास कराने वाला एवं परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने वाला ही न रहे, बल्कि अपने छात्र/शिष्य की सर्वांगीण उन्नति करने की चिंता भी करें। उसके शिष्य का चरित्र उत्तम हो, वह स्वावलंबी, स्वाभिमानी तथा प्रमाणिक देशभक्त बने। समाज के दुर्बल वर्ग की सेवा उस जीव का मुख्य लक्ष्य हो। वह नैतिकता, आध्यात्मिकता एवं योग का सहारा लेकर शारीरिक दृष्टि से योग्य हो तथा संगीत और संस्कृत में उसकी अभिरुचि हो। ज्ञान में किए गए निवेश से सबसे उत्तम लाभ प्राप्त होता है। व्यवसायिक शिक्षा में वह निपुण बने एवं संसार का सामान्य ज्ञान उसे प्राप्त हो। जब भी इस प्रकार के सर्वगुण संपन्न नागरिक बनाने का संकल्प लेकर हमारा छात्र शिक्षण जगत में जाएगा तो निश्चित ही देश और समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे।

– श्रीमती स्वाति गर्ग, सचिव

"हमे ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र बने, मानसिक विकास हो, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके।" — स्वामी विवेकानंद

शिक्षा सभी के जीवन में सफलता की कुंजी है, और शिक्षक अपने छात्रों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालते हैं, जिससे वह अपने जीवन में सफल होते हैं। एन.ई.पी.2020 गाइडलाइन के अनुसार हम अपने भावी शिक्षकों तथा वर्तमान छात्रों का निर्माण करने में अपना शत प्रतिशत देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे आने वाले समय में समाज में एक मजबूत स्तंभ के रूप में खड़े रहे वह बदलते परिवेश के अनुसार समाज व देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

—कुलदीप कसाना
(संयुक्त निदेशक — शिक्षा भारती)

" शिक्षा का सही उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का सही ज्ञान होना है ! शिक्षा न केवल समाज बल्कि मानवीय मूल्यों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। "नेलसन मंडेला के अनुसार डिग्री और प्रमाण पत्र देने के अलावा शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसके द्वारा आप दुनिया को बदल सकते हैं।"

अपनी दृष्टि और मिशन को पूरा करने के लिए हम अपने राज्य में शैक्षणिक परिदृश्य की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, यहां हम अपने छात्रों के सभी कौशल विकसित करने के लिए समर्पित हैं, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारा कॉलेज हमारे छात्रों को शिक्षण और सीखने में आवश्यक हर चीज से लैस होकर विकसित होने और बढ़ने का मौका देता है। मैं कामना करता हूं कि सभी छात्र अपने करियर में शानदार सफलता प्राप्त करें और अपने भविष्य के जीवन में समृद्धि प्राप्त करें।

—डॉ. मुनेश कुमार शर्मा
(प्राचार्य)

दिसंबर माह में आयोजित गतिविधियां —
खेल महोत्सव 2023—24

दिनांक 01.12.2023 को दो दिवसीय खेल महोत्सव 2023—24 का विधिवत प्रारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय खिलाड़ी चौ० महिपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनिवार्य है स्वंय का उदाहरण देते हुए बताया कि मैं 62 वर्ष की आयु में भी राष्ट्रीय—अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में प्रतिभाग करता है। विशेष अतिथि डॉ० प्रशान्त त्यागी (सदस्य, उत्तर प्रदेश संस्कृति एवं मनोरंजन परिषद) ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस तरह से जीवन में शिक्षा अनिवार्य है, उसी तरह से खेल भी जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में चौ० महेन्द्र सिंह डिग्री कॉलेज गढ़ मुक्तेश्वर, इन्द्रप्रस्थ कॉलिज हापुड़, गुरुकुल महाविद्यालय ततारपुर, रामचमेली चढ़ड़ा विश्वास गर्ल्स पी० जी० गाजियाबाद, श्री द्रोणाचार्य पी०जी० कॉलेज दनकौर, श्यामलाल सरस्वतीमहाविद्यालय शिकारपुर बुलन्दशहर के छात्रों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

मोबाईल वितरण कार्यक्रम

दिनांक 11.12.2023 को स्नातक स्तर के छात्र—छात्राओं के तकनीकी विकास को बढ़ावा देने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही डिजिटल शक्ति योजना के अंतर्गत छात्र छात्राओं को मोबाईल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाइट की वरिष्ठ प्रवक्ता प्रो. शाहीन ने अपने उदबोधन में कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की जा सकती है। संजय गांधी पब्लिक स्कूल कोठी गेट के प्रबंधक श्री ज्ञान चंद शर्मा ने भी अपनी बात रखी और कहा कि एनईपी 2020 में अध्याय चार में छात्रों को डिजिटल रूप से दक्ष बनाने और शिक्षा के नए आयामों को आत्मसात करने की बात कही गई है। टॉपर छात्रों की घोषणा

की गई और उन्हें सम्मानित किया गया। सत्र 2020–22 की टॉपर छात्राओं के नाम प्रथम स्थान पर नूपुर चौहान, दूसरे स्थान पर शिवानी शर्मा और तीसरे स्थान पर आयुषी अग्रवाल हैं जबकि सत्र 2021–23 की टॉपर छात्राओं में प्रथम स्थान पर वंदना शर्मा और दूसरे स्थान पर तनु चौधरी और तीसरे स्थान पर इति त्यागी रही।

अतिथि व्याख्यान ("साइबर सुरक्षा")

दिनांक 23.12.2023 को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका विषय "साइबर सुरक्षा" रहा, जिसमें सरस्वती बाल मंदिर हापुड़ के सहायक अध्यापक एवं बैंक से जुड़े राहुल भाटी जी ने साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी। एटीएम कार्ड, यूपीआई एप से संबंधित जानकारी से अवगत कराया और इसके साथ ही कॉपी राइट एवं सोशल मीडिया से संबंधित समस्त जानकारी प्रदान की तथा सभी छात्रों को मोबाइल सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

नवंबर माह में आयोजित गतिविधियां –

अतिथि व्याख्यान ("व्यक्तिव विकास")

दिनांक 03.11.2023 को "व्यक्तिव विकास" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि श्री शिवकुमार कुमार आर्य (आचार्य–गुरुकुल महाविद्यालय ततारपुर,हापुड़) रहे। उन्होंने सभी का मार्ग दर्शन करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा किसी व्यक्ति का पूरा स्वभाव तथा चरित्र ही उसका व्यक्तिव कहलाता है। व्यक्तित्व विकास के लिए यह बहुत आवश्यक है कि आपके अंदर किताबी ज्ञान ना होकर व्यवहारिक ज्ञान होना चाहिए। किताबी ज्ञान सिर्फ लिखित परीक्षा में काम आता है, जबकि व्यवहारिक ज्ञान जीवन की हर कठिन परिस्थिति में काम आता है। व्यक्तित्व विकास एक सतत प्रक्रिया है जो हमारे जन्म से ही शुरू हो जाती है और जीवन भर की गतिशीलता बनी रहती है।

सामुदायिक प्रोग्राम

दिनांक 07.11.2023 से 08.11.2023 तक सामुदायिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कॉलेज द्वारा हापुड़ जिले के गांव श्यामनगर में बी.एड द्वितीय वर्ष के छात्र छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, साक्षर भारत, छोटा परिवार सुखी परिवार, जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने ग्रामीणों को संदेश दिया कि बेटियां और बेटा समान हैं। इसमें हमें भेदभाव नहीं करना चाहिए। बेटियों को आगे लाने के लिए प्रयास करने चाहिए। साथियों ने गांव के निवासियों से सम्पर्क कर उन्हें अपने नारों के माध्यम से समझाया कि पहले विद्या दान बाद में कन्या दान करें तथा जल संरक्षण के लिए जल ही जीवन है, बूंद–बूंद के लिए तरसोगे, अगर जल नहीं बचाओगे।

रंगोली प्रतियोगिता

दिनांक 10.11.2023 को दीपावली के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल पांच समूहों का निर्धारण किया गया। जिसमें B.A., B.Sc., B.Com., B.Ed. के छात्रों ने समूह के रूप में रंगोलियाँ बनाई। निर्णायक मंडल के द्वारा विजेता प्रतिभागियों का चयन किया गया। प्रथम स्थान पर आकांक्षा व स्नेहा, द्वितीय स्थान पर अनामिका, अंजली, विशाखा व कोमल, तृतीय स्थान पर हिमानी, आँचल, नूपुर व रिंकी रही। प्राचार्य ने छात्रों को प्रमाणपत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

अतिथि व्याख्यान ("हिन्दू रीति रिवाज एंव परम्परायें")

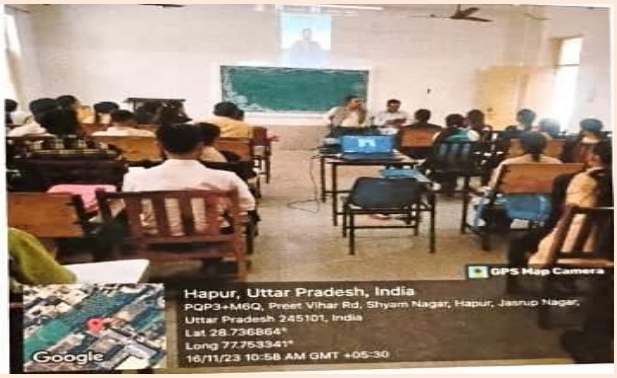

दिनांक 16.11.2023 को "हिन्दू रीति रिवाज एंव परम्परायें" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन बी0ए0 के इतिहास विषय के छात्रों के लिए किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ0 नरेन्द्र कुमार पाण्डेय (सहायक आचार्य, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला) रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम प्रकृति की पूजा करते है। गाय और नदी को माँ कहते हैं। चींटी को भोजन देते हैं। बरगद आदि वृक्षों की पूजा करते हैं। ऐसा करने के पीछे हमारी मान्यता है कि इन सभी जीवों में आत्मा का वास होता है। वसुधैवकुटुम्बकम् का पाठ मानव कल्याण के लिये ऋषियों के चिन्तन से हमें मिला है। इस भाव को अपना कर ही भारत विश्व गुरु बना है।

अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 21.11.2023 को B.Ed. प्रथम वर्ष के नव–प्रवेशित छात्रों का अभिविन्यास कार्यक्रम (Orientation Program) सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में B.Ed. के छात्रों को प्रशिक्षण के दौरान दो वर्ष तक चलने वाली विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामुदायिक गतिविधियों के विषय में विस्तार से बताया गया। द्विवर्षीय B.Ed. पाठ्यक्रम में विषय वितरण की गहनतम जानकारी दी गई। शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम, सूक्ष्म शिक्षण, इन्टर्नशिप इत्यादि के विषय में छात्रों से सविस्तार चर्चा की गई।

औद्योगिक भ्रमण (लक्ष्मी सेल्स कॉर्परेशन)

दिनांक 22.11.2023 को B.Com. के छात्र लक्ष्मी सेल्स कॉर्परेशन, मोदीनगर रोड हापुड़ में औद्योगिक भ्रमण के लिए गए। कम्पनी प्रमुख भवनीता अग्रवाल ने छात्रों को कच्चे माल से अन्तिम उत्पाद तक की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उत्पादन प्रक्रिया से कच्चा माल से शुरू होकर अन्तिम उत्पादक के मार्केट में सेल करने तक किस प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता है इसकी गहनतम जानकारी दी। छात्रों ने उत्पादन प्रक्रिया, मार्केटिंग तथा अवशिष्ट के पुनः प्रयोग के विषय में प्रश्न पूछे और उनके सन्तोष जनक उत्तर प्राप्त किए। कंम्पनी के लेखा अधिकारी ने खाता रखरखाव, आय व्यय का ब्यौरा, बिलिंग, ऑनलाइन पेमेन्ट सिस्टम, GST आदि सभी वित्त सम्बन्धी जानकारी गहनता से प्रदान की।

अक्टूबर माह में आयोजित गतिविधियां –

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

दिनांक 02.10.2023 को महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व सहज, सौम्य, शीतल स्वभाव व अद्वितीय साहस के प्रतीक देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री पुष्पार्चन करके किया गया। प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा करते हुए अपने उद्बोधन में कहा गांधी जी के अहिंसा के सिद्धांत को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया यही वजह है कि पूरा विश्व आज का दिन अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के तौर पर भी मनाता है।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम

दिनांक 03.10.2023 को सरकारी आदेश के तहत स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज परिसर के अंदर नर्सरी के सामने के क्षेत्र व अन्य क्षेत्रों में भी सफाई अभियान चलाया गया जिसमें कॉलेज के सभी छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने सफाई अभियान में अपना सहयोग प्रदान किया।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 10.10.2023 को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने के उद्देश्यों के बारे में बताया। कहा कि यह दिन दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को संगठित करने का दिन है। डॉ. सचिन कुमार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम 'मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है' पर प्रकाश डाला और चर्चा की कि हमें केवल कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में काम करने के लिए समर्पित होना चाहिए।

औद्योगिक भ्रमण (मेरिनो इंडिया)

दिनांक 18.10.2023 को मेरिनो इंडिया का औद्योगिक भ्रमण बीकॉम के सभी छात्रों के साथ हुआ। इस उद्योग दौरे में छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनी के संचालन, उत्पादों और कार्य वातावरण के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई। मेरिनो इंडिया अपने बहुमुखी निर्माता और घरों, कार्यालयों, वाणिज्यिक और सार्वजनिक क्षेत्रों के लिए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ इंटीरियर सॉल्यूशंस के विपणक के लिए उद्योग में एक प्रसिद्ध नाम है। दशकों से मजबूत बाजार उपस्थिति ने विभिन्न ग्राहक खंडों के बीच एक उच्च ब्रांड रिकॉल बनाया है। उत्पादों और सेवाओं के तालमेल का दोहन करते हुए, मेरिनो इंडिया प्रौद्योगिकी नवाचार और अधिक ग्राहक संतुष्टि प्रदान करके प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करता है।

राष्ट्रीय सेमिनार "विश्व कल्याण में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता"

दिनांक 20.10.2023 को "विश्व कल्याण में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो० अभय कुमार (कुलपति प्रताप विवि. राजस्थान), कीनोट स्पीकर प्रो० जगवीर सिंह भारद्वाज, विद्या भारती के अधिकारी प्रो० अखिलेश मिश्रा, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में प्रो० शिवराज सिंह पुंडीर, डॉ० गिरीश वत्स ने अपनी संस्कृति के द्वारा विश्व को दिये गये आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश पर गहनता से चर्चा की। सेमिनार दो सत्रों में आयोजित किया गया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ० नीतू चावला ने की। डॉ० पूनम शर्मा, डॉ० दीपक शर्मा, डॉ० रामकेश पाण्डेय ने भी भारतीय ज्ञान परम्परा पर अपने विचार व्यक्त किये। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ० रमेश अवस्थी ने की। इस सत्र में डॉ० नितिन त्यागी, डॉ० मारकण्डेय दीक्षित ने भी अपने विचारों द्वारा सभी का मार्गदर्शन किया। इस सेमीनार में 50 शोधकर्ताओं द्वारा अपने शोध पत्रों का वाचन किया गया।

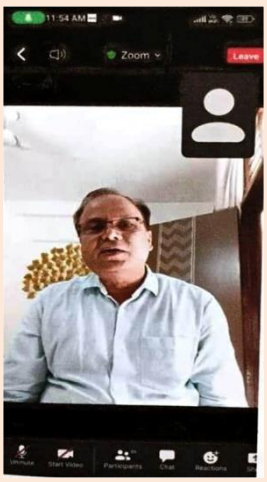

सितंबर माह में आयोजित गतिविधियां –

विचार संगोष्ठी

दिनांक 02.09.2023 से चल रहे संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम में 'संस्कृति संस्कृत आश्रित विषय' पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं के रूप में गुरुकुल महाविद्यालय ततारपुर से पधारे आचार्य श्री शिवकुमार कुमार आर्य व आचार्य प्रदीप कुमार ने माँ सरस्वती के समझ दीप प्रज्जवलित व पुर्ष्पाचन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आचार्य शिवकुमार ने सभी का मार्गदर्शन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा संस्कृत हमारी सभी भाषाओं की जननी है संस्कृत को जाने बिना भारत वर्ष व संस्कृति को नहीं जाना जा सकता है। आत्मबोध, आत्मचिन्नत और जीवन जीने के लिए संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। आचार्य प्रदीप ने कहा भारत को पुनरू जगत गुरु बनाने के लिए तथा सभी विषयों के गूढ़ ज्ञान को जानने के लिए संस्कृत साहित्य का ज्ञान होना आवश्यक है जिसके प्रवेश द्वारा संस्कृत भाषा है।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम

दिनांक 05.09.2024 को शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ० मुनेश कुमार शर्मा जी अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक कभी साधारण नहीं होता वह समाज के निर्माण की दिशा धारा निश्चित करता है। महाविद्यालय सचिव श्रीमती स्वाति गर्ग जी ने कहा कि गुरु दो तरह के होते है शैक्षिक व आध्यात्मिक। शैक्षिक गुरू भौतिक जगत में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है व आध्यात्मिक गुरू पारलौकिक जगत की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करता है इसलिए गुरु का दर्जा ईश्वर से भी ऊपर है। प्रलय और निर्माण शिक्षक की गोद में पलते है लेकिन यह सब छात्र की पात्रता पर निर्भर करता है।

कम्प्यूटर कार्यशाला

दिनांक 11.09.2023 को महाविद्यालय में 23 दिवसीय कम्प्यूटर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। आईसीटी प्रशिक्षक सुश्री वैशाली ने विद्यार्थियों को पेंट, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट के साथ–साथ दैनिक जीवन में इंटरनेट के उपयोग और अनुप्रयोग के बारे में सिखाया।

हिन्दी दिवस कार्यक्रम

दिनांक 14.09.2023 को हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ० मीनू शर्मा ने छात्रों को हिन्दी भाषा के महत्व, भाषा साहित्य व व्याकरण की बारीकियों व विज्ञान से अवगत कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्रवक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में एक निबन्ध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम

दिनांक 20.09.2023 को नव प्रवेशित बी.ए, बी.कॉम व बी.एस.सी. के छात्रों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम कराया गया, जिसमें डॉ० साधना तोमर (प्राचार्य ए. के. पी.डिग्री कॉलेज, हापुड़) ने मुख्य अतिथि के रूप मे अपने उद्बोधन में छात्रों को लक्ष्य साधकर कठिन परिश्रम करते हुए जीवन में सफल होने का मंत्र दिया। तकनीकी के युग में अपनी संस्कृति को अपनाते हुए मोबाईल से दूरी बनाकर परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि संजय गांधी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक श्री ज्ञान चंद शर्मा ने छात्रों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि इस परिसर में प्रवेश लेने के उपरान्त छात्र यहाँ से शिक्षा सम्पूर्ण करने के उपरान्त ही अपनी सेवा समाज में विभिन्न पदों पर देते हैं। आपको आगे बढ़ने के लिए यहाँ अच्छा वातावरण मिला है। यहाँ पर रहकर आप परिश्रम के द्वारा विभिन्न स्थानों पर सेवा नियोजित हो सकेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

दिनांक 21.09.2023 को "अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस" के उपलक्ष्य में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भागीदारी की छात्रों ने अपने विचार चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किए। प्रचार्य डॉ० मुनेश कुमार शर्मा ने अपने मार्गदर्शिक उद्बोधन में कहा इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य शांति की संस्कृति के निर्माण में योगदान देना है। शांति के मानकों को मजबूत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना की गई।

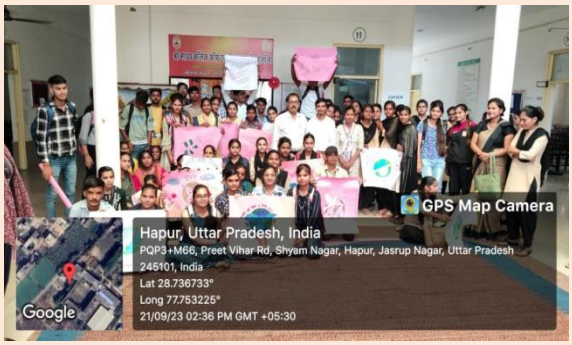

अगस्त माह में आयोजित गतिविधियां –

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस

दिनांक 12.08.2023 को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष श्री सन्दीप कुमार जी ने पुस्तकालय के इतिहास व विकास, पुस्तकालय के जनक, पुस्तकालय के महत्त्व, पुस्तकों की उपयोगिता की संक्षिप्त जानकारी महाविद्यालय के सदस्यों व छात्रों को उपलब्ध कराई। इस अवसर पर पुस्ताकालय के नवाचारी विकास के लिए छात्रों तथा सभी उपस्थित सदस्यों से पृष्ठपोषण व सुझाव भी लिए गये तथा छात्रों को महाविद्यालय पुस्तकालय के अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

जुलाई माह में आयोजित गतिविधियां –

अतिथि व्याख्यान (योग एवं समग्र स्वास्थ्य)

दिनांक 03.07.2023 को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर योग एवं समग्र स्वास्थ्य विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में संचालित देव संस्कृति विश्वविद्यालय गायत्री कुंज के आचार्य डॉ. विनय कुमार एवं उनके सहयोगी श्री राकेश एवं श्रीनिशांत योगी रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा जन जागरण एवं मनोबल पूर्ण करने का दिन है। गुरु के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य करने से सफलता मिलती है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए।

इसका एक मात्र सरल उपाय योग है। क्रोध, भय, तनाव, चिंता एवं उदासीनता जैसे सामान्य मानसिक विकारों को योग के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने सम्पूर्ण स्वास्थ्य को सही रखने के लिए शिक्षकों को विद्यार्थियों के बीच हस्त मुद्राओं का अभ्यास कराया।

18वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21.07.2023 को 18वाँ स्थापना दिवस के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। हवन का आरम्भ प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री हरीश मित्तल जी एवं श्री मुकेश तोषनीवाल जी द्वारा अग्नि प्रज्जवलित कर किया गया। श्री हरीश मित्तल जी ने बताया इस महाविद्यालय की स्थापना 21 जुलाई 2005 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर की गई। उस समय केवल बी.एड. प्रशिक्षण हेतु इस महाविद्यालय को प्रारम्भ किया गया शहर में उस समय शिक्षक प्रशिक्षण का कोई अन्य महाविद्यालय नहीं था। वर्ष 2022 में B.A., B.Com., B.Sc., पाठ्यक्रम भी महाविद्यालय में संचालित किए गए। इस अठ्ठारह वर्ष की अवधि में अनेकों राजपत्रित अधिकारी, PCS अधिकारी, प्रवक्ता, शिक्षक इस संस्थान ने दिए है जो विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाये देकर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

उच्च शिक्षा का उत्कृष्ट संस्थान

श्री माधव कॉलिज ऑफ एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी

फोन नं0 – 9410442761, 0122–2300318

Email: smcethapur@gmail.com

Web: www.smcethapur.in